

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

शास्त्री पाठ्यक्रम

वर्ष-प्रथम (सेमेस्टर - I)

विषय-हिंदी

प्रश्नपत्र- आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य

कोड-GE-01

क्रेडिट 04

पूर्णांक : 100

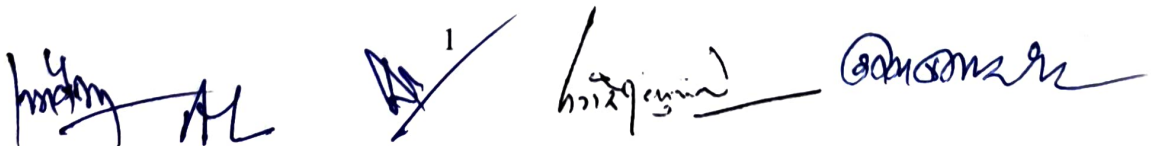
सैद्धांतिक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 25

GE-01	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	विद्यापति - विद्यापति पदावली सं. रामवृक्ष बेनीपुरी पद संख्या - (1, 2, 3, 42, 227, 241, 251, 253, 254, 255 कुल 10 पद) कबीरदास - (कबीर ग्रंथावली, संपादक-श्यामसुंदर दास) गुरुदेव कौ अंग	15
2.	जायसी - जायसी ग्रंथावली (संपादक-आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागमती वियोग खंड प्रारंभ से दोहा संख्या 10 तक)।	15
3.	सूरदास - भ्रमरगीत सार (संपादक-आचार्य रामचंद्र शुक्ल, पद संख्या 60-70)। तुलसीदास - उत्तरकांड (गीताप्रेस, गोरखपुर प्रारंभ से 10 दोहे)।	15
4.	मीराबाई - पदावली - सं. बलदेव वंशी (प्रथम- 10 पद) बिहारी (बिहारी रत्नाकर सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर प्रारंभ से 10 दोहे)	15
5.	भूषण - रीति काव्यधारा - सं. रामफेर त्रिपाठी, रामचन्द्र तिवारी, (प्रारंभ के 10 पद) घनानंद - घनानंद कवित्त, सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आरंभ से 10 पद)	15

संदर्भ ग्रंथ:-

- | | |
|-----------------------|---|
| 1. पदमावत का अनुशीलन, | - इन्द्रचंद्र नारंग |
| 2. कबीर | - हजारी प्रसाद द्विवेदी। |
| 3. जायसी ग्रंथावली | - सं.-आचार्य रामचंद्रशुक्ल (भूमिका भाग) |
| 4. कबीर की विचार धारा | - गोविंद त्रिगुणायत |



- | | | |
|--|---|------------------------------------|
| 5. भ्रमरगीतसार | - | आचार्य रामचंद्र शुक्ल (भूमिका भाग) |
| 6. तुलसीकाव्य मीमांसा | - | डॉ. उदयभानु सिंह |
| 7. तुलसीदास | - | आचार्य रामचंद्र शुक्ल |
| 8. विद्यापति | - | डॉ० शिवप्रसाद सिंह |
| 9. घनानंद | - | सं० आचार्य विश्वनाथ प्रसाद |
| 10. बिहारी | - | सं० जगन्नाथदास रत्नाकर |
| 11. सूरदास | - | डॉ० हरबंश लाल शर्मा |
| 12. बिहारी का नया मूल्यांकन | - | डॉ० बच्चन सिंह |
| 13. बिहारी की वाग्विभूति | - | डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| 14. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य- | - | डॉ० जगदेव कुमार शर्मा। |

Indray *AL*

✓

hary
hary

Om

hary

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

शास्त्री पाठ्यक्रम

वर्ष-प्रथम (सेमेस्टर - II)

विषय-हिंदी

प्रश्नपत्र-आधुनिक हिंदी कविता

कोड- GE-02

क्रेडिट 04

पूर्णांक : 100

सैद्धांतिक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 25

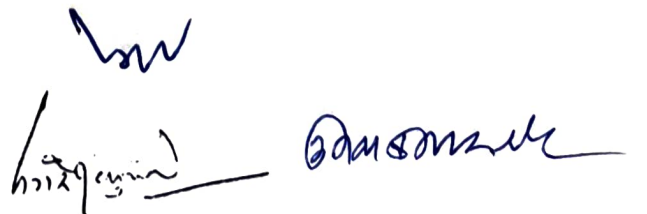
GE-02	आधुनिक हिंदी कविता	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	भारतेन्दु हरिश्चंद्र- हिन्दी भाषा मैथिलीशरण गुप्त -पंचवटी (प्रारंभ से 20 छन्द)	15
2.	जयशंकर प्रसाद -हिमाद्रि तुंग श्रृंग से एवं अरुण यह मधुमय देश हमारा। सुमित्रानंदन पंत - नौकाविहार, मौन निमंत्रण।	15
3.	केदारनाथ अग्रवाल - बसंती हवा नागार्जुन -कालिदास सच-सच बतलाना।	15
4.	दिनकर - कुरुक्षेत्र -(छठा सर्ग) अज्ञेय-बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की।	15
5.	भवानी प्रसाद मिश्र - गीतफरोश, घर की याद। गिरिजाकुमार माथुर - धूप के धान, मैं वक्त के हूँ सामने।	15

संदर्भ ग्रंथ:-

- | | |
|--|-------------------------------|
| 1. आधुनिक कविता यात्रा | - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| 2. छायावादोत्तर हिंदी कविता | - डॉ० मधुबाला नयाल |
| 3. कविता के नए प्रतिमान | - डॉ. नामवर सिंह |
| 4. अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन | - चंद्रकांत वांदिबडेकर |
| 5. निराला की साहित्य साधना | - डॉ. रामविलास शर्मा |
| 6. सुमित्रानंदन पंत: जीवन और साहित्य | - सं. डॉ. शांति जोशी |
| 7. नागार्जुन की काव्ययात्रा | - डॉ. रतनकुमार पांडेय |
| 8. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ | - डॉ० नगेंद्र |
| 9. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि | - डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना |
| 10. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और भारतीय नवजागरण | - डॉ० रामविलास शर्मा |
| 11. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंतःसूत्र | - डॉ० कृष्णदत्त पालीवाल |
| 12. सुमित्रानंदन पंत | - डॉ० नगेंद्र |
| 13. जयशंकर प्रसाद सृष्टि एवं दृष्टि | - डॉ० कल्याणमल लोढ़ा |
| 14. छायावाद | - डॉ० नामवर सिंह |







उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)
मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम
शास्त्री पाठ्यक्रम
वर्ष-द्वितीय (सेमेस्टर - III)
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
कोड- GE-03

क्रेडिट 04
पूर्णांक : 100
सैद्धांतिक : 75
आंतरिक मूल्यांकन : 25

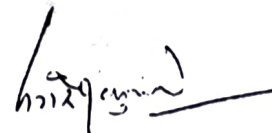
GE-03	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्यप्रयोजन, शब्दशक्ति (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना)।	15
2.	रस की परिभाषा एवं भेद।	15
3.	रीति, वक्रोक्ति, औचित्य का सामान्य परिचय।	15
4.	प्लेटो तथा अरस्तू के सिद्धांत, लोनजाइनस का उदात्त तत्व।	15
5.	आइ.ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत, टी.एस. इलियट की परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा का सिद्धान्त, कालरिज का कल्पना का सिद्धान्त।	15

संदर्भ ग्रंथ:-

1. काव्य के तत्त्व - देवेंद्र नाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० देवेंद्र नाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद - डॉ० नगेंद्र
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० भगीरथ मिश्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० तारकनाथ बाली
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - डॉ० निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ - डॉ० सत्यदेव मिश्र
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा- डॉ० रामचंद्र तिवारी
9. बीसवीं सदी की हिंदी आलोचना - डॉ० निर्मला जैन
10. साहित्यानुशीलन - डॉ० राकेश गुप्त
11. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ० नगेंद्र

 AL

 4





उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

शास्त्री पाठ्यक्रम
वर्ष-द्वितीय (सेमेस्टर - IV)
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान
कोड- GE-04

क्रेडिट 04
पूर्णांक : 100
सैद्धांतिक : 75
आंतरिक मूल्यांकन : 25

GE-04	भाषा विज्ञान	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	भाषा : भाषा की उत्पत्ति, भाषा : प्रकृति एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान : नामकरण एवं परिभाषा, भाषा विज्ञान : अध्ययन की दिशाएं	15
2.	हिंदी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि गुण और उसकी सार्थकता, स्वर प्रक्रिया और तत्संबंधी नियम, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि परिवर्तन के कारण	15
3.	रूप से तात्पर्य, रूपिम की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द निर्माण की प्रक्रिया, शब्द के प्रकार	15
4.	वाक्य - परिभाषा एवं स्वरूप, वाक्य - संरचना, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण	15
5.	अर्थ की प्रकृति एवं स्वरूप, अर्थबोध के साधन, अर्थ विकास की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण, विकास की दिशा	15

संदर्भ ग्रंथ:-

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - प्रो. नरेश मिश्र
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - प्रो. देवेंद्र नाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

शास्त्री पाठ्यक्रम
वर्ष-तृतीय (सेमेस्टर - V)
विषय-हिंदी
प्रश्नपत्र- हिंदी कथा साहित्य
कोड - GE-05

क्रेडिट 04
पूर्णांक : 100
सैद्धांतिक : 75
आंतरिक मूल्यांकन : 25

GE-05	हिंदी कथा साहित्य	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	गबन (उपन्यास) प्रेमचंद।	15
2.	उसने कहा था (कहानी) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी। हार की जीत (कहानी) सुदर्शन	15
3.	आकाशदीप (कहानी) जयशंकर प्रसाद।	15
4.	अपना-अपना भाग्य (कहानी) जैनेन्द्र।	15
5.	राजा निरबंसिया (कहानी) कमलेश्वर।	15

संदर्भ ग्रंथ:-

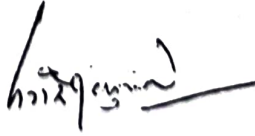
1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - डॉ० नामवर सिंह।
2. हिंदी कहानी: पहचान एवं परख - डॉ० इन्द्रनाथ मदान।
3. हिंदी उपन्यास: पहचान एवं परख- डॉ० इन्द्रनाथ मदान।
4. उसने कहा था और अन्य कहानियां - डॉ० मनोहर लाल
5. हिंदी कहानियां- डॉ० बैजनाथ मिश्र।





AL





उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

मौलिक चयनात्मक पाठ्यक्रम

शास्त्री पाठ्यक्रम

वर्ष-तृतीय (सेमेस्टर - VI)

विषय-हिंदी

प्रश्नपत्र- हिंदी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

कोड - GE-06

क्रेडिट 04

पूर्णांक : 100

सैद्धांतिक : 75

आंतरिक मूल्यांकन : 25

GE-06	हिंदी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं	पूर्णांक 75
इकाई	पाठ्यविषय	अंक
1.	भारतदुर्दशा (नाटक) भारतेन्दु। भोर का तारा (एकांकी) जगदीश चंद माथुर। दीपदान (एकांकी) - डॉ. रामकुमार वर्मा भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है? (निबंध) भारतेन्दु हरिश्चंद्र	15
2.	कविता क्या है? (निबंध) रामचंद्र शुक्ल। मजदूरी और प्रेम (निबंध) सरदार पूर्ण सिंह।	15
3.	महाकवि जयशंकर प्रसाद (निबंध) शिवपूजन सहाय। मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (निबंध) विद्यानिवास मिश्र।	15
4.	तुम्हारी स्मृति - माखनलाल चतुर्वेदी। गिल्लू - महादेवी वर्मा	15
5.	सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) हरिशंकर परसाई। विनोबा के साथ दो दिन (संस्मरण)- रामवृक्ष बेनीपुरी।	15

संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिंदी निबंध और निबंधकार - रामचंद्र तिवारी
2. आधुनिक हिंदी का इतिहास - बच्चन सिंह
3. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
4. गद्य विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

मिथुन AL

AS

हरिश्चंद्र

रामवृक्ष